समावेशी शिक्षा का अर्थ, परिभाषा और उद्देश्य व सिद्धांत

समावेशी शिक्षा – अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, सिद्धांत– समावेशी शिक्षा जैसा कि नाम से ही पता चल रहा है, जो सबको समाहित कर ले अर्थात ऐसी शिक्षा जो सबके लिए हो। अर्थात हर वर्ग के हर प्रकार के बच्चों को एक साथ एक कक्षा में एक विद्यालय में शिक्षा देना ही समावेशी शिक्षा है।

शैक्षिक समावेशन या समावेशी शिक्षा का अर्थ उपरोक्त पहले पैराग्राफ में बताई गई बात से समझा सकता है। यानी कि अलग-अलग विशेषताओं के बालकों को एक साथ एक विद्यालय में शिक्षा देना ही है शैक्षिक समावेशन है या समावेशी शिक्षा है।

प्रोफेसर S.K. Dubey के अनुसार
"शैक्षिक समावेशन एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जो छात्रों की योग्यता क्षमता एवं स्थितियों के अनुरूप दी जाती है।"

श्रीमती R•K• शर्मा के अनुसार समावेशी शिक्षा की परिभाषा
"शैक्षिक समावेशन एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था है जिसके द्वारा प्रतिभाशाली एवं शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को सूचित किया जाता है।"

उमातुलि के अनुसार
"समावेशन एक प्रक्रिया है, जिसमे प्रत्येक विद्यालय को दैहिक, संवेगात्मक, तथा सीखने की आवश्यकता को पूरा करने के लिए संसाधनों का विस्तार करना होता है।"

समावेशी शिक्षा की विशेषताएं || शैक्षिक समावेशन की विशेषताएं

समावेशी शिक्षा या शैक्षिक समावेशन की विशेषताओं को इस प्रकार समझा सकता है –

● समावेशी शिक्षा प्रतिभाशाली,कमजोर, औसत हर वर्ग के बालकों के लिए है।

● समेकित शिक्षा में बालकों के मानसिक स्तर (Mental Level) का ख़ास तौर पे ध्यान रखा जाता है।

● इसमे जिन शिक्षण विधियों का प्रयोग किया जाता है वह अन्य **शिक्षण विधियों** से भिन्न होती हैं।
● जो छात्र सामान्य रूप से कार्य नही कर पाते जैसे दिव्यांग छात्र, तो उनके लिए इसमे विशेष प्रकार की व्यवस्था होती है।